

हाइपोरलाइसीनिया

* हाइपोरलाइसीनिया क्या है?

जब हमारे खुन में रुग्गर की मात्रा 70 निम्ना | वा ये वास्तव में जाती है तो उस अवस्था को हाइपोरलाइसीनिया या कम प्रोट रुग्गर कहते हैं।

* अक्षण

- पर्सीना आना
- भूख लगाना
- चिक्किडापन
- सिर चकराना
- सिर में दूँद
- श्वास होना
- ऊपरदार में अचानक बदलाव
- दिन की धोकाएं तेज होना

गंभीर लक्षण

- ब्लॉश हो जाना
- दौरा

* कारण

- अत्यधिक मात्रा में दवा लेना / इंसुलिन लेना
- किसी समय का शोषण ना करना
- छिपता से ज्यादा ऊपरायाम करना
- दूराव का अधिक मात्रा में सेवन करना

* उपाय

→ 15 ग्राम | 3 द्वेष्टि - चमच छल्कोण पात्रडर | चीनी
को पानी में मिला कर ले
या

150 ग्राम फूटी | भंतरे का खुस ले
↓

15 मिनट बाद पिर से उलड रुगर की जांच करे
यदि उलड रुगर 70 ग्राम/प्रे. से ज्यादा न हो
तो इस विधि को लोकारा दोहराए



जब उलड रुगर 70 ग्राम/प्रे. से ज्यादा हो जाए
तो मरीज को कुद्द खाने के लिए दे (जैसे फल,
दूध, खाना) जिससे लोकारा उलड रुगर कम हो
हो जाए

* गंभीर हाइपोहलाइसीमिया की स्थिति में

→ मरीज के मुँह के अन्दर मशुड़ों में राहद या बल्कोण
पात्रडर का गाढ़ा प्रेरण बना के लगाए यदि मरीज
बोहोशी की स्थिति में हो तो

→ मरीज को होश आने के बाद उसे पानी बिलाए और
पिर जल्द से जल्द नांदीकी अस्पताल में ले जाए